भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 709

जिसका उत्तर 24.07.2025 को दिया जाना है

राजमार्गों पर इन्टेलिजेन्ट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम

709. श्री अरुण भारती:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर इन्टेलिजेन्ट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) के कार्यान्वयन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं;

(ख) देश के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) के कार्यान्वयन में वर्तमान प्रगति क्या है;

(ग) दुर्घटनाओं, यातायात उल्लंघनों और घटना प्रतिक्रिया समय को कम करने में व्हीकल टू एवरीथिंग (वी2एक्स) संचार की तैनाती से क्या लाभ होने की उम्मीद है;

(घ) क्या राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर आईटीएस समाधानों के चरणबद्ध कार्यान्वयन के लिए कोई विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) शुरू की जा चुकी या विकासाधीन स्टैंडअलोन एटीएमएस परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) या उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) को लागू करने का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ाना, यातायात उल्लंघनों को कम करना और एआई-आधारित निगरानी और स्वचालित प्रवर्तन तंत्र के माध्यम से घटना प्रतिक्रिया समय में सुधार करना है।

(ख) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) लागू करने के लिए दिनांक 10.10.23 को नीति परिपत्र संख्या 11.53 जारी किया है। इस नीति में समूचे राजमार्ग खंड की निगरानी और एआई आधारित वीडियो घटना पहचान और प्रवर्तन प्रणाली शामिल है, जिससे पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा ई-चालान जारी करना भी आसान हो जाएगा। नीति दस्तावेज का उद्देश्य दुर्घटनाओं, यातायात उल्लंघनों और घटना

प्रतिक्रिया समय को कम करना है। सरकार का राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर एटीएमएस समाधान को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का विचार है।

(ग) वी2एक्स वर्तमान में आईटीएस या एटीएमएस नीति का अंग नहीं है।

(घ) सरकार कुछ वर्षों में 4 लेन या उससे अधिक के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर एटीएमएस लागू करने की परिकल्पना करती है।

(ङ) 5 पायलट स्टैंडअलोन एटीएमएस परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

गलियारे का नाम	लंबाई (किमी)	राज्य	स्थिति
बैंगलोर - मैसूर (संवर्धन)	117	कर्नाटक	पूर्ण
द्वारका एक्सप्रेसवे	58	दिल्ली, हरियाणा	पूर्ण
दिल्ली-आगरा	180	उत्तर प्रदेश	प्रगति मे
लखनऊ रिंग रोड	103	उत्तर प्रदेश	प्रगति मे
यूईआर-II	75	दिल्ली, हरियाणा	प्रगति मे

*****